# जनजातियों का परिचय

## परिभाषा

इंपीरियल गजेटियर ऑफ इंडिया के अनुसार, एक जनजाति एक विशिष्ट नाम वाले परिवारों का एक संग्रह है, जो एक विशिष्ट बोली बोलती है, एक विशिष्ट क्षेत्र पर निवासरत होने का दावा करती है और सामान्यतः अंतर्विवाही नहीं होती है।

## अनुसूचित जनजाति

भारत के संविधान में अनुच्छेद 366 (25) अनुसूचित जनजातियों के अर्थ को स्पष्ट करता है जिसके अनुसार अनुसूचित जनजाति उन समुदायों को संदर्भित करती है जिन्हें अनुच्छेद 342 के तहत अनुसूचित जनजाति माना जाता है।

राष्ट्रपति, किसी राज्य या संघ राज्यक्षेत्र के संबंध में और जहां वह राज्य है वहां उसके राज्यपाल से परामर्श करने के पश्चात् लोक अधिसूचना द्वारा, उन जनजातियों या जनजाति समुदायों अथवा जनजातियों या जनजाति समुदायों के भागों या उनमें के यूथों को विनिर्दिष्ट कर सकेगा, जिन्हें संविधान के प्रयोजनों के लिए, उस राज्य या संघ राज्यक्षेत्र के संबंध में अनुसूचित जनजातियां समझा जाएगा।

## छत्तीसगढ़ में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (Particularly Vulnerable Tribal Groups -PVTG)

ऐसे आदिवासी समुदाय हैं जिनकी आबादी घटती या स्थिर है, साक्षरता का निम्न स्तर, कृषि-पूर्व स्तर की तकनीक और आर्थिक रूप से पिछड़े हैं, उन्हें विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (PVTG) के रूप में पहचाना और वर्गीकृत किया गया है।

छत्तीसगढ़ में केंद्र सरकार द्वारा पांच जनजातियों को PVTG घोषित किया गया है जिनका उल्लेख नीचे संबंधित जिलों के साथ किया गया है जिसमें वे आम तौर पर निवास करते हैं।

1) अबूझमाड़िया - नारायणपुर
2) बैगा - राजनांदगांव, कबीरधाम, मुंगेली, कोरिया, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही
3) पहाड़ी कोरवा - बिलासपुर, कोरबा, जशपुर, रायगढ़
4) बिरहोर - रायगढ़, जशपुर, बलरामपुर, सरगुजा, कोरबा
5) कमार - महासमुंद, कांकेर, धमतरी, गरियाबंद

जबकि, छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य स्तर पर (PVTG) में उनकी खराब सामाजिक-आर्थिक स्थिति और पिछड़ेपन को देखते हुए दो जनजातियों को शामिल किया है, जिनका उल्लेख उन संबंधित जिलों के साथ किया गया है जिनमें वे आम तौर पर निवास करते हैं–

1) पंडो - बलरामपुर, कोरबा, रायगढ़, सूरजपुर, सरगुजा
2) भुंजिया - गरियाबंद, धमतरी, महासमुंद

## एकीकृत जनजातीय विकास अभिकरण

एकीकृत जनजातीय विकास अभिकरण की स्थापना का उद्देश्य जनजातीय समुदाय के उत्थान के लिए जनजातीय विकास कार्यक्रमों के उचित और प्रभावी कार्यान्वयन द्वारा जनजातीय समुदाय की जरूरतों को पूरा करना है।

COMPETITION COMMUNITY

| | |
|---|---|
| बैगा विकास अभिकरण | कवर्धा |
| पहाड़ी कोरवा और बिरहोर विकास अभिकरण | जशपुर |
| पहाड़ी कोरवा विकास अभिकरण | अंबिकापुर |
| बैगा और बिरहोर विकास अभिकरण | बिलासपुर |
| कमार विकास अभिकरण | गरियाबंद |
| अबूझमाड़िया विकास अभिकरण | नारायणपुर |
| पंडो विकास अभिकरण | सूरजपुर |
| भुंजिया विकास अभिकरण | गरियाबंद |

# छत्तीसगढ़ की जनजातियाँ

### छत्तीसगढ़ में जनजातियों का विस्तार

**उत्तरी छत्तीसगढ़ की जनजातियाँ**

कोरकू - कोरिया

खैरवार - सरगुजा, कोरिया, सूरजपुर, जशपुर, बिलासपुर

बियार - सरगुजा, कोरिया

कोल - कोरिया

उराँव - कोरिया, सूरजपुर, बलरामपुर, सरगुजा, जशपुर, रायगढ़

मुंडा - जशपुर, बलरामपुर

मंझवार - सरगुजा, बलरामपुर, कोरबा, रायगढ़

मांझी - सरगुजा, बलरामपुर, जशपुर, कोरबा, रायगढ़

नगेसिया - सरगुजा, बलरामपुर, जशपुर, रायगढ़

**मध्य छत्तीसगढ़ की जनजातियाँ**

अगरिया - कबीरधाम, कोरिया, जशपुर, बिलासपुर, सरगुजा

भैना - बिलासपुर, रायगढ़

धनवार - बिलासपुर, सरगुजा, कोरबा, रायगढ़, रायपुर

COMPETITION COMMUNITY

भरिया - बिलासपुर, रायगढ़, सरगुजा, सूरजपुर

बिंझवार - रायपुर, कोरबा, रायगढ़, महासमुंद, बिलासपुर

परधान - कबीरधाम, बिलासपुर

पाओ - बिलासपुर

पारधी - बिलासपुर, रायगढ़, सरगुजा

कोंध - महासमुंद, रायगढ़

सावंरा - महासमुंद, रायगढ़, बिलासपुर

खड़िया - रायपुर, महासमुंद, रायगढ़, जशपुर

कंवर - महासमुंद, राजनांदगांव, बिलासपुर, रायगढ़, कोरिया, सरगुजा, जशपुर, बलरामपुर

सौंता - कोरबा, रायगढ़, बिलासपुर, सरगुजा, सूरजपुर

## दक्षिणी छत्तीसगढ़ की जनजातियाँ

हल्बा - बालोद, राजनांदगांव, धमतरी, कांकेर, कोंडागांव, नारायणपुर, बीजापुर, बस्तर, दंतेवाडा

मुड़िया - नारायणपुर, बस्तर, कोंडागांव

दण्डामी माड़िया - दंतेवाडा, बस्तर, सुकमा, कोंडागांव

दोरला - बीजापुर, सुकमा

धुरवा / परजा - बस्तर

गदबा - बस्तर

भतरा - कोंडागांव, बस्तर, दंतेवाडा, सुकमा

## साहित्यकार

### हरि ठाकुर

- **सुरता के चंदन** (छत्तीसगढ़ी गीत संग्रह)
- **छत्तीसगढ़ी गीत अउ कविता** (काव्य संग्रह)
- **लोहे के नगर** (काव्य संग्रह )
- **शहीद वीर नारायण सिंह** (छत्तीसगढ़ी खण्डकाव्य)
- **जय छत्तीसगढ़** (छत्तीसगढ़ी काव्य संग्रह)

COMPETITION COMMUNITY